Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Structure and Curriculum of Four Year Multidisciplinary Degree (Honors/Research) Programme with Multiple Entry and Exit option

Undergraduate Programme of Humanities and Social Sciences

B.A. (Degree) in Hindi

Board of Studies

in

Hindi

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

w.e.f. June, 2023

(In Accordance with NEP-2020)

Review Statement

The NEP Cell reviewed the Curriculum of **B.A./B.Com./B.Sc. (Honors/Research/Degree) in Hindi** Programme to be effective from the **Academic Year 2023-24.** It was found that, the structure is as per the NEP-2020 guidelines of Govt. of Maharashtra.

Date: 09/08/2023

Place: Latur

NEP Cell
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur
(Autonomous)

CERTIFICATE

I hereby certify that the documents attached are the Bonafide copies of the Curriculum of **B.A. (Degree) in Hindi** Programme to be effective from the **Academic Year 2023-24.**

Date: 19/07/2023

Place: Latur

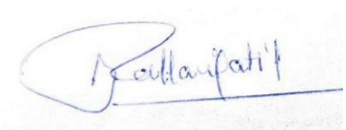

(**Dr. Pallavi Patil)**
Chairperson
Board of Studies in Hindi
Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur
(Autonomous)

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Members of Board of Studies in the Subject Hindi

Under the Faculty of Humanities and Social Sciences

Sr. No.	Name	Designation	In position
1	**Dr. Pallavi Patil** Head, Department of Hindi, Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur	Chairperson	HoD
2	**Prof.Dr. Ranjeet Jadhav,** Professor & Head,Dept. of Hindi, Kai, Venkatrao Deshmukh Mahavidyalaya, Babhalgaon,Tq.Dist.Latur.	Member	V.C. Nominee
3	**Prof.Dr. Jogendrasingh Bisen** Pro.Vice Chancellor, S.R.T.M. University Nanded.	Member	Academic Council Nominee
4	**Prof.Dr. Sadanand K. Bhosale** Professor, Dept. of Hindi, S.P.P.University, Pune	Member	Academic Council Nominee
5	**Prof.Dr. Alokranjan Pandye,** Professor & Head, Dept of Hindi, Ramanujan College, New Delhi	Member	Expert from Industry
6	**Dr. Dilip Gunjarge** Associate Professor & Head, Dept of Hindi,Jaykranti College, Latur.	Member	P.G. Alumni
7	**Mr. Suryakant Chavan** Assist. Professor,Dept of Hindi,RSML	Member	Faculty Member
8	**Mr. Amol Landge** Assist. Professor,Dept of Hindi,RSML	Member	Faculty Member
9	**Prof. Rajendraprasad Arya** Asso. Professor,Dept. of Sanskrit RSML.	Member	Member from same Faculty

From the Desk of the Chairperson…

राजर्षि शाहू महाविद्यालय की स्थापना से अर्थात लगभग १९७० से हिंदी विभाग कार्यरत है, इ. स २०१३ से महाविद्यालय ने स्वायत्तता स्वीकार की थी तभी से विभाग हर प्रकार से छात्रों की दृष्टि से पाठ्यक्रम को बेहतर बनाने का प्रयास कर रहा है. पाठ्यक्रम को बेहतर बनाने के लिए उमदा अध्ययन मंडल का निर्माण विभाग ने किया है. अपने अध्ययन मंडल के सम्माननीय सुझावों के कारण हम पाठ्यक्रम स्तरीय बना पाए हैं. नई शिक्षा प्रणाली (NEP2020) पाठ्यक्रम में उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी, कविता, निबंध, आत्मकथा, जीवनी रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृतांत आदि साहित्यिक विधाओं द्वारा छात्रों में सृजनशीलता, कल्पना शक्ति को विकसित करना साथ में छात्रों के लिए विविध भाषाई कौशल, अनुवाद, पटकथा लेखन, विज्ञापन लेखन, कंप्यूटर, पत्र लेखन, व्याकरण तथा भाषा विज्ञान को पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया है. इससे छात्रों के रोजगार को बढ़ावा मिलेगा.

पाठ्यक्रम को और अधिक सशक्त बनाने के लिए विभाग सतत अग्रेसर रहता है. विभाग में पिछले ४० वर्षो से अधिक हिंदी दिवस समारोह मनाता आ रहा है. समय-समय पर छात्रों के लिए विविध विषयों पर कार्यशालाएं तथा अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया जाता है. अलग-अलग विषयों पर सेमिनार, वेबिनर, राष्ट्रीय संगोष्टी का आयोजन किया जाता है. छात्रों के असाइनमेंट में छात्रों के कौशलों को विकसित किया जाता है, भाषण प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगितायें आयोजित की जाती हैं. रंगोली, देशभक्तिपरक गीत गायनज जैसी प्रतोयोगिताओं का आयोजन किया जाता है.

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल ।
बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटन न हिय के सूल ॥ – भारतेन्दु जी

(Dr. Pallavi Patil)
Chairperson
Board of Studies in Hindi

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Index

Sr. No.	Content	Page No.
1	Structure for Four Year Multidisciplinary UG Programme	1
2	Abbreviations	2
3	Courses and Credits	3
4	UG Program Outcomes	4
5	Programme Specific Outcomes	5
6	Curriculum: Semester-I	6-11
7	Basket I: Generic/Open Elective (GE/OE)	12
8	Basket II: Skill Enhancement Courses (SEC)	13
9	Basket III: Ability Enhancement Courses (AEC)	14
10	Extra Credit Activities	15-16
11	Examination Framework	17

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Faculty of Humanities and Social Sciences

Structure for Four Year Multidisciplinary Undergraduate Degree Programme in Hindi Multiple Entry and Exit (In accordance with NEP-2020)

Year & Level	Sem	Major		Minor	GE/OE	VSC/ SEC (VSEC)	AEC/ VEC	OJT,FP,CEP, RP	Credit per Sem.	Cum./Cr. per exit
		DSC	DSE							
1	**2**	**3**		**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**
I 4.5	I	DSC I: 04 Cr. DSC II: 04 Cr.	NA	NA	GE-I: 04 Cr.	VSC-I: 02 Cr. SEC-I: 02 Cr.	AEC-I MIL: 02 Cr. VEC-I: 02 Cr.	CC-I: 02 Cr. (NSS, NCC, Sports, Cultural)/ CEP-I: 02 Cr. (SES-I)/ OJT: 02 Cr. / Mini Project: 02 Cr.	22	44 Cr. UG Certificate
	II	DSCIII: 04 Cr. DSC IV: 04 Cr. (IKS)	NA	NA	GE-II: 04 Cr.	VSC-II: 02 Cr. SEC-II: 02 Cr.	AEC-II MIL: 02 Cr. VEC-II: 02 Cr.	CC-II: 02 Cr. (NSS, NCC, Sports, Cultural)/ CEP-II: 02 Cr. (SES-II)/ OJT: 02 Cr. / Mini Project: 02 Cr.	22	
	Cum. Cr.	16	-	-	08	04+04=08	04+02+02=08	04	44	
Exit Option: Award of UG Certificate in Major with 44 Credits and Additional 04 Credits Core NSQF Course/Internship or continue with Major and Minor										

Abbreviations:

1.	DSC	: Discipline Specific Core (Major)
2.	DSE	: Discipline Specific Elective (Major)
3.	DSM	: Discipline Specific Minor
4.	GE/OE	: Generic/Open Elective
5.	VSEC	: Vocational Skill and Skill Enhancement Course
6.	VSC	: Vocational Skill Courses
7.	SEC	: Skill Enhancement Course
8.	AEC	: Ability Enhancement Course
9.	MIL	: Modern Indian Languages
10.	IKS	: Indian Knowledge System
11.	FSRCE	: Fostering Social Responsibility & Community Engagement
12.	VEC	: Value Education Courses
13.	OJT	: On Job Training
14.	FP	: Field Projects
15.	CEP	: Community Engagement and Service
16.	CC	: Co-Curricular Courses
17.	RP	: Research Project/Dissertation
18.	SES	: Shahu Extension Services

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Department of Hindi

B.A. (Degree) Hindi

Year & Level	Semester	Course Code	Course Title	Credits	No. of Hrs.
I 4.5	I	101HIN1101 (DSC-I)	कथा साहित्य	04	60
		101HIN1102 (DSC-II)	नाटक तथा एकांकी	04	60
		GE-I	From Basket	04	60
		101HIN1501 (VSC-I)	व्यावहारिक हिंदी भाग १	02	30
		(SEC-I)	From Basket	02	30
		(AEC-I)	From Basket	02	30
		(VEC-I)	Constitution of India	02	30
		AIPC/OJT-I		02	60
	Total Credits			**22**	
	II	101HIN2103 (DSC-III)	उपन्यास साहित्य	04	60
		101HIN2104 (DSC-IV) IKS	स्वतंत्रता आंदोलन तथा हिंदी साहित्य	04	60
		GE-II	From Basket	04	60
		101HIN2502 (VSC-II)	व्यावहारिक हिंदी भाग २	02	30
		(SEC-II)	From Basket	02	30
		(AEC-II)	From Basket	02	30
		(VEC-II)	FSRCE (CBPR)	02	30
		AIPC/OJT-II		02	60
	Total Credits			**22**	
Total Credits (Semester I & II)				**44**	

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Faculty of Humanities and Social Sciences

Programme Outcomes (POs) for B.A. Degree Programme	
PO 1	
PO 2	
PO 3	
PO 4	
PO 5	
PO 6	
PO 7	

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Programme Specific Outcomes (PSOs) for B.A. Hindi (Degree)	
PSO No.	Upon completion of this programme the students will be able to
PSO 1	हिंदी भाषा तथा साहित्य का गहन अध्ययन एवं रोजगार की दृष्टि से प्रयोग में लाया जा सकता है.
PSO 2	साहित्य आस्वादन एवं रचनात्मक कुशलता अर्जित की जा सकती है.
PSO 3	भाषिक कौशलों का विकास किया जा सकता है.
PSO 4	सृजनशील साहित्य निर्माण की प्रक्रिया को समझा जा सकता है.
PSO 5	आदिकालीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक साहित्य के अंतर्गत कविता, कहानी, नाटक, उपन्यास, निबंध जैसी साहित्यिक विधाओं की समझ, प्रारूप आदि के माध्यम से छात्रों में संवेदनशीलता तथा मूल्यपरकता का विकास किया जा सकता है.
PSO 6	हिंदी भाषा, साहित्य तथा कौशलों के माध्यम से रोजगार के अवसर निर्माण करना.
PSO 7	भाषिक कौशलों के कारण कौशल विकास में वृद्धि होकर अध्ययन में गति निर्माण होती.
PSO 8	भक्तिकालीन साहित्य के माध्यम से सजग, संवेदनशील और संस्कारशील नागरिक के रूप में विकास करना.

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Department of Hindi

Course Type: DSC-I

Course Title: कथा साहित्य

Course Code: 101HIN1101

Credits: 04 **Max. Marks: 100** **Lectures: 60 Hrs.**

Learning Objectives:

LO 1. कहानी साहित्य का परिचय करवाना.

LO 2. हिंदी कहानी के इतिहास तथा तत्त्व का परिचय करवाना.

LO 3. कहानी जैसे विधा द्वारा रंगमंच से जुड़कर आत्माभिव्यक्ति कराना.

LO 4. कहानी के माध्यम से छात्रों में सवेंदना जागृत करना.

Course Outcomes:

After completion of course the student will be able to-

CO 1. छात्र कहानी साहित्य से अवगत होगा.

CO 2. छात्र विविध कहानियों द्वारा समाज के अंग से परिचित होगा.

CO 3. छात्र कहानियों के पात्रों द्वारा विविध चरित्र से अवगत होगा.

CO 4. छात्र समाज में पनपनेवाली कुरीतियों से कहानियों द्वारा परिचित होगा.

CO 5. छात्रों को समाज में व्यक्त राजनितिक प्रवृत्तियों का कहानियों द्वारा परिचय होगा.

CO 6. छात्रों को कहानियों की घटना द्वारा शिल्प समझ में आएगा.

CO 7. छात्र हिंदी साहित्य की कहानी विधा के विकास से परिचित होगा.

CO 8. छात्रों में कहानी के माध्यम से मानवी मूल्यों का विकास होगा.

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	**कहानी का उद्भव, विकास एवं तत्व**	१५
	१. कहानी का उद्भव तथा विकास २. कहानी के तत्व	
	Unit Outcomes: UO 1. हिंदी कहानी विधा के ऐतिहासिक विकास का परिचय होगा. UO 2. कहानी के तत्वों से छात्र अवगत होगा.	
II	**कहानियाँ**	१२
	1.उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी 2.कफ़न– प्रेमचंद 3.पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद	
	Unit Outcome: UO 1. कहानियों के माध्यम से मानवी मूल्यों का विकास होगा. UO 2. कहानी के माध्यम से छात्रों में सवेंदना सजग होगी.	
III	**कहानियाँ**	१८

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
	1.मारे गए गुलफ़ाम – फनीश्वरनाथ रेणु 2.मलबे का मालिक – मोहन राकेश 3.चीफ़ की दावत – भीष्म साहनी	
	Unit Outcomes: UO 1. कहानियों के माध्यम से मार्क्सवादी दृष्टिकोण विकसित होगा. UO 2. कहानी के माध्यम से छात्रों स्त्रीवादी दृष्टिकोण विकसित होगा.	
IV	**कहानियाँ**	**१५**
	1. खेल – जैनेंद्र कुमार 2. शवयात्रा – ओमप्रकाश वाल्मीकि 3. हत्या –- बरखा शर्मा	
	Unit Outcomes: UO 1. कहानियों के माध्यम से मनोविश्लेषणवादी दृष्टि विकसित होगी. UO 2. कहानी के माध्यम से छात्रों को आंचलिकता समझ में आएगी.	

Learning Resources:

1. कहानी : स्वरूप और संवेदना – राजेन्द्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, १९६८
2. आधुनिक हिंदी कहानी – डॉ. गंगाप्रसाद विमल, दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इंडिया लि. अलीगढ़ , १९७८
3. आधुनिक कहानी साहित्य और चरित्र विकास – डॉ. बेचन, सन्मार्ग प्रकाशन दिल्ली, १९६५
4. अस्तित्ववाद और नई कहानी – डॉ. लालचंद, शोध प्रकाशन दिल्ली, १९७५
5. कहानी : नई कहानी – नामवरसिंह, लोकभारती प्रकाशन इलाहबाद, १९८२
6. नई कहानी : प्रकृति और पाठ – श्री. सुरेन्द्र, परिवेश प्रकाशन, १९६८
7. आधुनिक हिंदी कथा साहित्य और चरित्र विकास- डॉ. बेचन, १९६५
8. साहित्य सरिता – जोगेंद्रसिंह बिसेन, ओरिएंट लोंगमैन प्रा. लि. दिल्ली, २००८
9. हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश, सुमित प्रकाशन इलाहाबाद, २०११
10. हिंदी कहानी का इतिहास – गोपालराय, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली, २०११
11. चंद्रधर शर्मा गुलेरी की चर्चित कहानियाँ – संपा. पीयूष गुलेरी, प्रत्युष गुलेरी, नेशनल बुक ट्रस्ट इंडिया,नई दिल्ली, २००८
12. जैनेंद्र कुमार की कहानियाँ – संपा. प्रदीपकुमार, नेशनल बुक ट्रस्ट इंडिया, नई दिल्ली, २००८
13. नई सदी की पहचान : श्रेष्ठ दलित कहानियाँ – संपा. मुद्राराक्षस, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद, २००८
14. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानियाँ – संपा. कमलेश्वर, नेशनल बुक ट्रस्ट इंडिया, नई दिल्ली, २००५

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Department of Hindi

Course Type: DSC-II

Course Title: नाटक तथा एकांकी

Course Code: 101HIN1102

Credits: 04 **Max. Marks: 100** **Lectures: 60 Hrs.**

Learning Objectives

LO 1. नाटक साहित्य का परिचय करवाना.

LO 2. हिंदी नाटक के इतिहास तथा तत्त्व का परिचय करवाना.

LO 3. नाटक जैसे विधा द्वारा रंगमंच से जुड़कर आत्माभिव्यक्ति कराना.

LO 4. नाटक के माध्यम से छात्रों में सवेंदना जागृत करना.

Course outcomes

After completion of course the student will be able to-

CO 1. छात्र हिंदी नाटक विधा से अवगत होंगे.

CO 2. छात्र नाटक विधा द्वारा समाज के अंग से परिचित होंगे.

CO 3. छात्र नाटक के पात्रों द्वारा विविध चरित्र से अवगत होंगे.

CO 4. छात्र समाज में पनपनेवाली कुरीतियों से नाटकों द्वारा परिचित होंगे.

CO 5. छात्रों को समाज में व्यक्त विसंगतियों का परिचय नाटकों द्वारा पता होगा.

CO 6. छात्रों को नाटक की संवाद योजना समझ में आएगी.

CO 7. छात्र हिंदी साहित्य की नाटक विधा के विकास से परिचित होंगे.

CO 8. छात्रों में नाटक के माध्यम से रंगमंचीय दृष्टि का विकास होगा.

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	**नाटक का उद्भव, विकास एवं तत्व**	१५
	१.नाटक का उद्भव तथा विकास २.नाटक के तत्व	
	Unit Outcome: UO 1. हिंदी नाटक विधा के ऐतिहासिक विकास का परिचय होगा. UO 2. नाटक के तत्वों से छात्र अवगत होगा.	
II	**नाटक**	१८
	UO 1. १.जिस लाहोर नई देख्या उत जमाई नई - असग़र वजाहत	
	Unit Outcome: UO 2. नाटक के माध्यम से छात्र विभाजन की त्रासदी से अवगत होंगे. UO 3. नाटक के माध्यम से छात्रों में मानवीय सवेंदना सजग होगी.	
III	**एकांकियाँ**	१२
	१.पृथ्वीराज की आँखे – डॉ. रामकुमार वर्मा २.नए मेहमान – उदयशंकर भट्ट	

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
	Unit Outcomes: UO 1. एकांकी के माध्यम से छात्रों पृथ्वीराज की वीरता का पता चलेगा. UO 2. एकांकी के माध्यम से छात्रों आधुनिक दृष्टिकोण विकसित होगा.	
IV	**एकांकियाँ**	**१५**
	१. शहादत – रंगनाथ तिवारी २. बहु की बिदा –विनोद रस्तोगी	
	Unit Outcome: UO 1. एकांकी के माध्यम से वीरता का भाव जागृत होगा. UO 2. एकांकी के माध्यम से छात्रों को आंचलिकता समझ में आएगी.	

Learning Resources:

1. हिंदी नाटक स्वरूप और संवेदना - डॉ. दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली,1977
2. हिंदी साहित्य का साहित्य – डॉ. श्रीनिवास शर्मा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, 2004
3. हिंदी नाटक विमर्श – डॉ. जया परजंपे ,अतुल प्रकाशन, कानपूर, 2001
4. सा ठ्ठोतरी हिंदी नाताकों में चित्रित यथार्थ – डॉ. गोरखनाथ माने साहित्य सागर, कानपूर , 2008
5. हिंदी भाषा साहित्य और आलोचना – डॉ. लक्ष्मी कान्त पांडे, ग्रनोदय प्रकाशन, कानपूर, 1999
6. संस्कृत और हिंदी नाटक – डॉ. जय कुमार, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, दिल्ली, 1996
7. दलित साहित्य की भूमिका – हरपालसिंह ,जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2009
8. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे, विकास प्रकाशन ,कानपूर, 2002
9. आठ एकांकियां – डॉ. माधव सोनटक्के – लोकभारती प्रकाशन ,इलाहबाद , २०१२
10. हिंदी साहित्य का इतिहास –डॉ.नगेन्द्र, मयूर पेपर बैंक, नोयड़ा, 1975
11. जिस लाहोर नई देख्या उत जमाई नई - असग़र वजाहत, 2001

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Department of Hindi

Course Type: VSC-I

Course Title: व्यावहारिक हिंदी भाग १

Course Code: 101HIN1501

Credits: 02 **Max. Marks: 50** **Lectures: 30 Hrs.**

Learning Objectives:

LO 1. छात्रों को हिंदी विषय से अवगत करवाना.

LO 2. छात्रों को संवैधानिक हिंदी से परिचय करवाना.

LO 3. हिंदी के महत्त्व को विशद करना.

LO 4. हिंदी के विस्तार को समझाना.

Course Outcomes:

After completion of course the student will be able to-

CO 1. छात्र हिंदी की संवैधानिक स्थिति से अवगत होगा.

CO 2. छात्र हिंदी के बढ़ते महत्त्व से परिचित होगा.

CO 3. छात्र जनसंचार माध्यमों में हिंदी के प्रयोग से अवगत होगा.

CO 4. छात्र विज्ञापनों में हिंदी के प्रयोग से अवगत होगा.

CO 5. छात्रों को समाज में व्यक्त विसंगतियों का परिचय व्यंग्य रचनाओं द्वारा पता होगा.

CO 6. छात्र हिंदी साहित्य की व्यंग्य विधा से परिचित होगा.

CO 7. छात्रों में व्यंग्य के माध्यम से रचनात्मक दृष्टि का विकास होगा.

Unit No.	Title of Unit & Contents	Hrs.
I	**संविधान में हिंदी और हिंदी का महत्त्व**	०७
	1.संविधान में हिंदी 2.हिंदी का महत्त्व	
	Unit Outcomes: UO 1. हिंदी की संवैधानिक स्थिति का परिचय होगा. UO 2. आज के समय में छात्र हिंदी के महत्त्व से अवगत होगा.	
II	**जनसंचार माध्यमों में हिंदी**	०८
	१. मुद्रित जनसंचार माध्यमों में हिंदी २. दृश्य श्रव्य जनसंचार माध्यमों में हिंद	
	Unit Outcomes: UO 1. मुद्रित जनसंचार माध्यमों में हिंदी के प्रयोग से छात्र अवगत होगा. UO 2. दृश्य श्रव्य जनसंचार माध्यमों में हिंदी के प्रयोग से छात्र अवगत होगा.	

III	**विज्ञापनों में हिंदी**	**०७**
	१. मुद्रित जनसंचार माध्यमों में विज्ञापन २. दृश्य श्रव्य जनसंचार माध्यमों में विज्ञापन	
	UO. 1 मुद्रित जनसंचार माध्यमों में विज्ञापनों के प्रयोग से छात्र अवगत होंगे. UO. 2 दृश्य श्रव्य जनसंचार माध्यमों में विज्ञापनों के प्रयोग से छात्र अवगत होंगे.	
IV	**व्यंग्य रचनाएँ**	**०८**
	१. इमानदारों के संमेलन में – हरिशंकर परसाई २. उस देश का यारों क्या कहना – मनोहर श्याम जोशी	
	UO. 1 व्यंग्य रचनाओं के माध्यम से सामाजिक विसंगतियों से अवगत होंगे. UO. 2 व्यंग्य रचनाओं के माध्यम से सृजनात्मक दृष्टि का विकास होगा.	

Learning Resources:

1. प्रयोजनमूलक हिंदी (सिद्धांत और व्यवहार)-रघुनन्दन प्रसाद शर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,१९६८
2. प्रयोग और प्रयोग – वी .रा, जग्गनाथन, ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली,२००३
3. व्यवहारमुलक पाठ्यक्रम ,इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, दिल्ली १९६८
4. हिंदी भाषा की सामाजिक भूमिका – डॉ. भोलानाथ तिवारी, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा ,मद्रास
5. प्रयोजनमूलक हिंदी (सिद्धांत और प्रयोग) – डॉ. दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,१९९९३
6. हिंदी के वाक्य–साँचे – डॉ. लक्ष्मी नारायण शर्मा, सत्साहित्य सदन, आगरा,२००३
7. श्रेष्ठ हास्य व्यंग्य – काका हाथरसी , प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ,१९७८
8. प्रयोजन मूलक हिंदी – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ,१९८७
9. प्रयोजन मूलक हिंदी के आधुनिक आयाम – डॉ. महेंद्र सिंह राणा, हर्षा प्रकाशन, आगरा, २००३

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

UG First Year

Basket I: Generic/Open Elective (GE/OE)

(GEs offered to the Humanities and Social Sciences students in Sem.-I)

Sr. No.	BoS Proposing GE/OE	Code	Course Title	Credits	Hrs.
1	Biotechnology		Nutrition, Health and Hygiene	04	60
2	Chemistry		Medicines for Daily Life	04	60
3	Commerce		Fundamentals of Statistics	04	60
4	Commerce		Personal Financial Management	04	60
5	Infromation Technology		MS-Office	04	60
6	Microbiology		Microbiology in Everyday life	04	60
7	Music		Indian Vocal Classical & Light Music	04	60
8	NCC Studies		Introduction to NCC	04	60
9	Physics		Energy Sources	04	60
10	Sports		Counseling and Psychotherapy	04	60

Note: Student can choose any one GE from the basket.

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

UG First Year

Basket II: Skill Enhancement Courses (SEC)

(SEC offered to the Humanities and Social Sciences students in Sem.-I)

Sr. No.	BoS Proposing SEC	Code	Course Title	Credits	Hrs.
1	Biotechnology		Food Processing Technology	02	30-45
2	Commerce		Financial Literacy	02	30
3	English		Proof Reading and Editing	02	30
4	English		Communication Skills	02	30
5	Geography		Tourism & Travel Management	02	30-45
6	Information Technology		PC Assemble and Installation	02	30-45
7	Marathi		कथा/पटकथालेखन	02	30
8	NCC Studies		Leadership and Personality Development	02	30
9	Zoology		Bee Keeping	02	30-45

Note: Student can choose any one SEC from the basket.

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

UG First Year

Basket III: Ability Enhancement Courses (AEC)

(AEC offered to the Humanities and Social Sciences students in Sem.-I)

Sr. No.	BoS Proposing AEC	Code	Course Title	Credits	Hrs.
1	Marathi		भाषिक कौशल्य भाग – १	02	30
2	Hindi		हिंदी भाषा शिक्षण भाग – १	02	30
3	Sanskrit		व्यावहारीक व्याकरण व नितिसुभाषिते	02	30
4	Pali		उपयोजित व्याकरण	02	30

Note: Student can choose any one AEC from the basket.

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

UG First Year

Extra Credit Activities

Sr. No.	Course Title	Course Code	Credits	Hours T/P
1	MOOCs		Min. of 02 credits	Min. of 30 Hrs.
2	Certificate Courses		Min. of 02 credits	Min. of 30 Hrs.
3	IIT Spoken English Courses		Min. of 02 credits	Min. of 30 Hrs.

Guidelines:

Extra -academic activities

1. All extra credits claimed under this heading will require sufficient academic input/ contribution from the students concerned.
2. Maximum 04 extra credits in each academic year will be allotted.
3. These extra academic activity credits will not be considered for calculation of SGPA/CGPA but will be indicated on the grade card.

Additional Credits for Online Courses:

1. Courses only from SWAYAM and NPTEL platform are eligible for claiming credits.
2. Students should get the consent from the concerned subject Teacher/Mentor/Vice Principal and Principal prior to starting of the course.
3. Students who complete such online courses for additional credits will be examined/verified by the concerned mentor/internal faculty member before awarding credits.
4. Credit allotted to the course by SWAYAM and NPTEL platform will be considered as it is.

Additional Credits for Other Academic Activities:

1. One credit for presentation and publication of paper in International/National/State level seminars/workshops.
2. One credit for measurable research work undertaken and field trips amounting to 30 hours of recorded work.
3. One credit for creating models in sponsored exhibitions/other exhibits, which are approved by the concerned department.
4. One credit for any voluntary social service/Nation building exercise which is in collaboration with the outreach center, equivalent to 30 hours
5. All these credits must be approved by the College Committee.

Additional Credits for Certificate Courses:

1. Students can get additional credits (number of credits will depend on the course duration) from certificate courses offered by the college.
2. The student must successfully complete the course. These credits must be approved by the Course Coordinators.
3. Students who undertake summer projects/ internships/ training in institutions of repute through a national selection process, will get 2 credits for each such activity. This must be done under the supervision of the concerned faculty/mentor.

Note:

1. The respective documents should be submitted within 10 days after completion of Semester End Examination.
2. No credits can be granted for organizing or for serving as office bearers/ volunteers for Inter-Class / Associations / Sports / Social Service activities.
3. The office bearers and volunteers may be given a letter of appreciation by the respective staff coordinators. Besides, no credits can be claimed for any services/activities conducted or attended within the college.
4. All claims for the credits by the students should be made and approved by the mentor in the same academic year of completing the activity.
5. Any grievances of denial/rejection of credits should be addressed to Additional Credits Coordinator in the same academic year.
6. Students having a shortage of additional credits at the end of the third year can meet the Additional Credits Coordinator, who will provide the right advice on the activities that can help them earn credits required for graduation.

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya, Latur

(Autonomous)

Examination Framework

Theory:

40% Continuous Assessment Tests (CATs) and 60% Semester End Examination (SEE)

Practical:

50% Continuous Assessment Tests (CATs) and 50% Semester End Examination (SEE)

Course	Marks	CAT & Mid Term Theory				CAT Practical		Best Scored CAT & Mid Term	SEE	Total
1	2	3				4		5	6	5 + 6
		Att.	CAT I	Mid Term	CAT II	Att.	CAT			
DSC/DSE/ GE/OE/Minor	100	10	10	20	10	-	-	40	60	100
DSC	75	05	10	15	10	-	-	30	45	75
Lab Course/AIPC/ OJT/FP	50	-	-	-	-	05	20	-	25	50
VSC/SEC/ AEC/VEC/CC	50	05	05	10	05	-	-	20	30	50

Note:

1. All Internal Exams are compulsory
2. Out of 02 CATs, best score will be considered
3. Mid Term Exam will be conducted by the Exam Section
4. Mid Term Exam is of Objective nature (MCQ)
5. Semester End Exam is of descriptive in nature (Long & Short Answer)
6. CAT Practical (20 Marks): Lab Journal (Record Book) 10 Marks, Overall Performance 10 Marks.